जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
संस्कृत–विभाग

एम. ए. पूर्वार्द्ध 2015
संस्कृत

नोटः– इस परीक्षा में चार प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 3 घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

प्रथम प्रश्नपत्र
वैदिक साहित्य

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – ऋग्वेद के निम्नांकित सूक्त
वरुण 1.24, इन्द्र 1.32, सूर्य 1.115, बृहस्पति 2.23, सवितृ 2.38, नदी 3.33
उषस् 3.61, कितव 10.34, नासदीय 10.129

इकाई 2 – यजुर्वेद – शिवसंकल्पसूक्त अध्याय 34,
सामवेद – सोम सूक्त 6.1.4
अथर्ववेद – काल सूक्त 19.63, पृथिवी सूक्त 12.1

इकाई 3 – इकाई 1 और 2 में निर्धारित सूक्तों के मन्त्रों का पदपाठ, देवतास्वरूप, ऋग्वेद की विषयवस्तु, ऋग्वेद का काल, ऋग्वेद का संयोजनक्रम

इकाई 4 – निरुक्त (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

इकाई 5 – (अ) निरुक्त (सप्तम अध्याय)
(ब) निरुक्त के पठितांश से निर्वचन

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

अथर्ववेदः सातवलेकर

निरुक्तम् : व्या. छज्जूराम शास्त्री

निरुक्तम् : व्या. उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'

बलदेव उपाध्याय : वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा मन्दिर, वाराणसी

सूर्यकान्त शास्त्री : वैदिक देवशास्त्र

युधिष्ठिर मीमांसक : वैदिक स्वर मीमांसा

ओमप्रकाश पाण्डेय : वैदिक स्वर मीमांसा

ओमप्रकाश पाण्डेय : वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप, विश्व प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

आर. वी. जोशी तथा जे.पी. खण्डेलवाल : वैदिक साहित्य की रूपरेखा

रामगोपाल : वैदिक व्याकरण

बी.बी. चौबे : वैदिक स्वर बोध

उमेश पाण्डेय : वैदिक व्याकरण

दयानन्द भार्गव : वैदिक विज्ञान, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

देवराज चानना : ऋग्भाष्य संग्रह, दिल्ली

Olden Berg: Religion of Veda

Ghate: Ghates' lectures on the Rigveda

The New Vedic Selection Part I & II - Telang & Choube, Bhartiya Vidya Prakashan, Varanasi

The Nirukta, Text and translation - L. Sarup

Yaska's Nirukta- V.K. Rajvade

अवस्थी, नरेन्द्र : नूपुर ध्वनि (वेद, उपनिषद् एवं गीता का दार्शनिक विवेचन), राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

द्वितीय प्रश्नपत्र
भारतीय दर्शन

नोटः– प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – तर्कभाषा (प्रामाण्यवाद तक)

इकाई 2 – वेदान्तसार

इकाई 3 – सांख्यकारिका

इकाई 4 – तत्त्वार्थसूत्र (प्रथम अध्याय)

इकाई 5 – अर्थ संग्रह (विधिभाग पर्यन्त)

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणिः तर्कभाषा (व्या.)

बद्रीनाथ शुक्लः तर्कभाषा (व्या.), मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली

सन्तनारायण श्रीवास्तवः वेदान्तसार (व्या.)

राममूर्ति शर्मा : वेदान्तसार (व्या.)

ब्रहमोहन चतुर्वेदी : सांख्यकारिका (व्या.)
सूर्य नारायण शास्त्री (संपा.) : सांख्यकारिका
अमलधारीसिंहः सांख्यतत्त्व प्रदीप, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
पं. सुखलाल संघवीः तत्त्वार्थ सूत्र (व्या.), पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी
दयाशंकर शास्त्री : अर्थ संग्रह (व्या.), साहित्य भण्डार, मेरठ
कामेश्वरनाथ मिश्र : अर्थ संग्रह (व्या.)
बलदेव उपाध्यायः भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वाराणसी
महेन्द्रकुमारः जैन– दर्शन
सुखलाल संघवीः दर्शन और चिन्तन
मुनि नथमल : जैन दर्शन के मौलिक तत्त्व
M.Hiriyanna: Outline of Indian Philosophy, Vol. I, II (relevant portions only)
S.Radhakrishnan: History of Indian Philosophy, Vol. I
Swami Nikhilanand: Vedantasara (English) (Tr.), Calcutta
Sankhya karika (Tr. English), Wilson, Delhi
Gajendragadkar & Karnarker: Artha Sangraha, M.L.B.D., Delhi
S.N. Das Gupta: History of Indiaan Philosophy

तृतीय प्रश्नपत्र

व्याकरण तथा भाषा विज्ञान

नोटः– प्रश्न–पत्र 3 घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – सिद्धान्त कौमुदी का कारक प्रकरण : सूत्रव्याख्या, विभक्तिज्ञान

इकाई 2 – लघुसिद्धान्त कौमुदी का अजन्त प्रकरण : सूत्रव्याख्या एवं पदसिद्धि

इकाई 3 – लघुसिद्धान्त कौमुदी का हलन्त प्रकरण : सूत्रव्याख्या एवं पदसिद्धि

इकाई 4 – (अ) सिद्धान्त कौमुदी का मत्वर्थीय प्रकरण : सूत्रव्याख्या एवं पदसिद्धि

(ब) भाषाविज्ञान – भाषा का वाक्, बोली व उपबोली से भेद, अर्थ विज्ञान (अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ विकास की अवस्थाएँ) वाक्य संरचना, सिद्धान्त (वाक्य का लक्षण तथा भेद)

इकाई 5 – (अ) भाषा परिवार – आकृतिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण तथा उसका सिद्धान्त, भारोपीय भाषा परिवार, केन्टुम् एवं सतम् वर्ग, आर्य परिवार (हिन्दी–ईरानी भाषा–परिवार का पालि, प्राकृत तथा संस्कृत के सन्दर्भ में विशेष अध्ययन)

(ब) ध्वनिविज्ञान – (स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण, उच्चारण स्थान व यंत्र, ध्वनियों के गुण, ध्वनि परिवर्तन, ध्वनि–नियम)

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

श्रीनिवास शास्त्रीः संस्कृत व्याकरण
भीमसेन शास्त्री (व्या.)ः लघुसिद्धान्तकौमुदी
वासुदेव विष्णु मिराशी (व्या.)ः लघुसिद्धान्तकौमुदी
गोपालदत्त पाण्डेय (व्या.)ः सिद्धान्तकौमुदी
बालकृष्ण पंचोलीः (हिन्दी व्या.) सिद्धान्तकौमुदी (तद्धित प्रकरण)
रामसुरेश त्रिपाठीः संस्कृत–व्याकरण–दर्शन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
भोलानाथ तिवारी : भाषा विज्ञान
कर्णसिंहः भाषा विज्ञान
पी.डी. गुणेः तुलनात्मक भाषा विज्ञान (हिन्दी), मोतीलाल बनारसीदास
मंगलदेव शास्त्रीः भाषा विज्ञान, इण्डियन प्रेस, प्रयाग
बाबूराम सक्सेना : सामान्य भाषा विज्ञान

देवेन्द्रनाथ शर्मा : भाषा विज्ञान की भूमिका
शिवनारायण शास्त्री : वैदिक वाङ्मय में भाषा चिन्तन
कपिलदेव : भाषा विज्ञान
देवीदत्त शर्माः संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय
Tara Porewal: Elements of Science of Language
R.B. Ghose: linguistic Introduction of Sanskrit
M.Bloomfield: Language
Wilson: Philological Lectures
T.Burrow: Sanskrit language
Siddheshwar Verma: Phonetics in Ancient India

चतुर्थ प्रश्नपत्र

काव्य तथा काव्यशास्त्र

नोटः– प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) — माघ

इकाई 2 – मेघदूतम् – कालिदास

इकाई 3 – मृच्छकटिकम् – शूद्रक

इकाई 4 – साहित्यदर्पण (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद)

इकाई 5 – (अ) साहित्य दर्पणः तृतीय परिच्छेद (29वीं कारिका पर्यन्त)

(ब) साहित्य दर्पण के निर्धारित भाग से सम्बन्धित प्रश्न

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

डॉ. केशवराव मुसलगांवकर (सम्पादक) : शिशुपालवध (प्रथम सर्ग) (संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेत)
मृच्छकटिकम् : शूद्रक विरचित
शालिग्राम शास्त्री (व्या.): साहित्य दर्पण, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
पी.वी. काणे (व्या.): साहित्य दर्पण
देवदत्त कौशिक (व्या.): साहित्य दर्पण, लोचन टीका सहित, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
केदारनाथ शर्मा (व्या.): मेघदूत, चौखम्बा पब्लिकेशन्स, दिल्ली
चरणतीर्थ मघराज (व्या.): मेघदूत, चौखम्बा पब्लिकेशन्स, दिल्ली
भोलाशंकर व्यासः संस्कृत कवि दर्शन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
बलदेव उपाध्यायः संस्कृत आलोचना
एम. एन. व्यास तथा चन्द्रशेखर पाण्डेयः संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, साहित्य निकेतन, कानपुर
रामजी उपाध्यायः संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद
मनमोहन लाल शर्माः महाकवि माघ
वी.वी. मिराशीः कालिदास
ठाकुरदत्त जोशीः संस्कृत साहित्य में लक्षणा का उद्भव तथा विकास
S.K. De and S.N. Dasgupta: History of Sanskrit Literature
A.D. Singh: Kalidas: ACritical Study, Bhartiya Vidya Prakashan, Delhi

एम. ए. उत्तरार्द्ध (संस्कृत) 2016

नोट : इस परीक्षा के सभी वर्गों में चार प्रश्न–पत्र (पंचम से अष्टम तक) लिखित होंगे तथा 100 अंकों की मौखिक परीक्षा होगी। प्रत्येक लिखित प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

ग्रुप 'ए' : साहित्य

पंचम प्रश्नपत्र

गद्य तथा काव्य

पाठ्यक्रम :–

इकाई 1 : कादम्बरी (प्रारम्भ से अगस्त्याश्रमवर्णनतक)

इकाई 2 : कादम्बरी (पम्पासरोवरवर्णन से जाबालिवर्णनम् तक)

इकाई 3 : नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) : श्रीहर्ष

इकाई 4 : विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग) : बिल्हण

इकाई 5 : शिवमहिम्नःस्तोत्रम् : पुष्पदन्ताचार्य

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

बाणभट्ट : कादम्बरी (कथामुख), साहित्य भण्डार, मेरठ

मोहन देव पन्त (व्या.): नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

श्रीहर्ष : नैषधीयचरितम्, निर्णय सागर, मुम्बई

श्रीहर्ष नैषधीयचरितम् (मल्लिनाथ कृत 'जीवातु' व्याख्या युक्त), चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 1976
विश्वनाथ शास्त्री भारद्वाज : विक्रमांकदेवचरित (हिन्दी व्याख्या), बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, 1964
डॉ. हरिदत्त शास्त्री (व्या.) विक्रमांकदेवचरितम्, साहितय भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ
पुष्पदन्ताचार्य : शिवमहिम्नःस्तोत्र
बलदेव उपाध्याय : संस्कृतसुकविसमीक्षा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
सुधीर कुमार गुप्त : बाण तथा दण्डी
अमरनाथ पाण्डेय : बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
भोलाशंकर व्यास : संस्कृत कवि दर्शन, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
Buehler George (Ed.) : विक्रमांकदेवचरितम्, Bombay Sanskrit Series, XIV, 1875
R.D. Karmarker : Bana
S.P. Dixit: Banabhatta-Life and Literature
A.N. Jani: A Critical Study of Naishadhiyacharitam

षष्ठ प्रश्नपत्र

नाटक तथा नाट्य शास्त्र

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम :–
इकाई 1 : उत्तररामचरितम् – 1 से 4 अंक : भवभूति
इकाई 2 : (अ) उत्तररामचरितम् – 5 से 7 अंक, भवभूति
(ब) रत्नावली : हर्ष
इकाई 3 : दशरूपकम् (प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश) : धन×जय
इकाई 4 : दशरूपकम् (तृतीय तथा चतुर्थ प्रकाश): धन×जय
इकाई 5 : नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय) : भरत मुनि

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –
खण्ड 'अ' – 20 अंक
1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – **35 अंक**

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – **45 अंक**

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

तारिणीश झा : उत्तररामचरित (हिन्दी व्याख्या), रामनारायण वेणी माधव प्रकाशन
रमाकान्त त्रिपाठी (व्या.) : उत्तररामचरितम्, चौखम्बा संस्कृत प्रकाशन, वाराणसी
मोतीलाल बनारसीदास : रत्नावली (हिन्दी–संस्कृत व्याख्योपेत), दिल्ली
रमाशंकर त्रिपाठी : दशरूपक (हिन्दी व्याख्या), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
बहुरूप मिश्र, (टीकाकार) : दशरूपक (दशरूपक दीपिका सहित) भारतीय विद्या प्रकाशन, जवाहर नगर, नई दिल्ली
रामजी उपाध्याय (व्या.) : दशरूपक
विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि : नाट्यशास्त्र (हिन्दी व्याख्या)
मधुसूदन शास्त्री : नाट्यशास्त्र प्रथम भाग (हिन्दी व्याख्या) वाराणसी, 1971
सत्यप्रकाश शर्मा (व्या.): नाट्यशास्त्रम् (प्रथम द्वितीयाध्यायात्मकम्), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
प्रभावती चौधरी : संस्कृत नाट्य में नायिका, हंसा प्रकाशन, जयपुर
ए.बी. कीथ और उदयभानुसिंह (अनु.) : संस्कृत ड्रामा, मोतीलाल बनारसीदास
भोलाशंकर व्यास : संस्कृत कवि दर्शन, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
अयोध्याप्रसादसिंह : भवभूति की नाट्यकला
Indu Shekhar : Sanskrit Drama
Mankad : Types of Sanskrit Drama
N.P. Unni : Natya Shastra, Delhi, 1998

सप्तम प्रश्नपत्र

साहित्य शास्त्र

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम :–

इकाई 1 : काव्यप्रकाश (1 से 4 उल्लास) : मम्मट

इकाई 2 : काव्यप्रकाश (5वां 7वां(रसदोष) एवं 8वां उल्लास) : मम्मट

इकाई 3 : ध्वन्यालोक (प्रथम उद्द्योत): आनन्दवर्धन

इकाई 4 : रसगंगाधर (अधमकाव्य लक्षण पर्यन्त) : पण्डितराज जगन्नाथ

इकाई 5 : रसगंगाधर (प्रकाशकृकभेदेषु कटाक्ष से शान्तरस व्यवस्थापनपर्यन्तम्)

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

आचार्य विश्वेश्वर : काव्यप्रकाश (हिन्दी व्याख्या)

गजेन्द्र गडकर : काव्य प्रकाश

आर. एस. त्रिपाठी : ध्वन्यालोक, प्रथम उद्द्योत (हिन्दी व्याख्या), दिल्ली

बद्रीनाथ शर्मा एवं शोभित मिश्र : ध्वन्यालोक (हिन्दी–संस्कृत व्याख्या), चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

आचार्य विश्वेश्वर : ध्वन्यालोक (हिन्दी व्याख्या)

बद्रीनाथ झा एवं मदन मोहन झा : रसगंगाधर (हिन्दी–संस्कृत व्याख्या) वाराणसी, 1978

पी.वी. काणेः अलंकार शास्त्र का इतिहास

बलदेव उपाध्याय : भारतीय साहित्य शास्त्र
बी.टी. देशपाण्डे : भारतीय साहित्य शास्त्र
सुरजनदास स्वामी : रससिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा, प्र. नीरज शर्मा, सी–82, रामदास मार्ग, तिलक नगर, जयपुर
डॉ. नगेन्द्र : रस सिद्धान्त
ठाकुरदत्त जोशी : संस्कृत साहित्य में लक्षणा का उद्भव तथा विकास
S.K.De : Sanskrit Poetics
S.K. De : Some Problems of Sanskrit Poetics
V.Raghavn : Some Concepts of Alankarashastra
V.Raghavan : Number of Rasas
V.S. Sukthandar : Kavya Prakasha
K.Krishnamoorthy : Anandavardhan's Dhavanyaloka, Delhi 1982

अष्टम प्रश्नपत्र

प्रकरणग्रन्थ तथा अलंकारशास्त्र

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम :–

इकाई 1 : श्रीहनुमद्दूतम् : पण्डित नित्यानन्द शास्त्री

इकाई 2 : वक्रोक्तिजीवितम् : कुन्तक

इकाई 3 : काव्यमीमांसा (1 से 5 अध्याय) : राजशेखर

इकाई 4 : अलंकार शास्त्र : से सम्बन्धित निम्नलिखित विषय

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, रसनिष्पत्तिसूत्र की चार व्याख्यायें, काव्य के तीन प्रमुख गुण, काव्य की प्रमुख रीतित्रय, अलंकार सम्प्रदाय, ध्वनिसम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सम्प्रदाय, रससम्प्रदाय

इकाई 5 : सौन्दर्यशास्त्र विषयक अवधारणाएँ

(अ) पाश्चात्त्य अवधारणा – वस्तुवादी, भाववादी, समन्वयवादी, नैतिक/अरस्तू, काण्ट, प्लेटो

(ब) भारतीय अवधारणा – रस, रीति, औचित्य, वक्रोक्ति

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

श्रीहनुमद्दूतम् – पण्डित नित्यानन्द शास्त्री
प्रकाशक – आचार्य नित्यानन्द स्मृति संस्कृत शिक्षा एवं शोध संस्थान गिरिजा निकेतन, । 136 लेक गार्डन, कोलकाता 760045
के. कृष्णमूर्ति (सम्पा) : वक्रोक्ति जीवित (प्रथम उन्मेष), धारवाड़, 1977
साधना पाराशर : काव्य मीमांसा (हिन्दी व्याख्या), दिल्ली, 2000
पं. विजयमित्र शास्त्री : काव्यमीमांसारहस्यम् (1.5 अध्याय), भारतीय विद्या प्रकाशन, जवाहर नगर, नई दिल्ली
पी. वी. काणे : अलंकार शास्त्र का इतिहास
बलदेव उपाध्याय : भारतीय साहित्य शास्त्र
जी.टी. देशपाण्डे : भारतीय साहित्य शास्त्र
नगेन्द्रः भारतीय सौन्दर्य शास्त्र की भूमिका, दिल्ली, 1976
दासगुप्त एस. एन. : सौन्दर्यतत्त्व (हिन्दी अनुवाद डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित) प्रकाशन–भारतीय भण्डार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद
V.Raghavan: Some Concepts of Alankarshastra
S.K.De : Sanskrit Poetics as a study of Aesthetics, Berkaley, 1963
S.K. De: Sanskrit Poetics
S.K. De : Some Problems of Sanskrit Poetics
K.C. Pandey : Comparative Aesthetics, Vol. I

एम. ए. उत्तरार्ध संस्कृत परीक्षा 2015

नवम् प्रश्न–पत्र (सभी वर्गों के लिए अनिवार्य)

प्रस्थानद्वय, काव्यशास्त्र, जैन दर्शन तथा अनुवाद

नोटः– प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – केनोपनिषद्

इकाई 2 – अभिनव काव्यालंकार सूत्रम् प्रथमाधिकरण (अध्याय1,2,3) – आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी

इकाई 3 – श्रीमद्भगवद् गीता (चतुर्थ अध्याय)

इकाई 4 – वृहद् द्रव्य संग्रह (प्रथम अधिकार) – नेमीचन्द सिद्धान्त चक्रवर्ती

इकाई 5 – हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें –

बलदेव उपाध्याय : वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा मन्दिर, वाराणसी

सूर्यकान्त शास्त्री : वैदिक देवशास्त्र

दयानन्द भार्गव : वैदिक विज्ञान, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

अवस्थी, नरेन्द्र : नूपुर ध्वनि (वेद, उपनिषद् एवं गीता का दार्शनिक विवेचन), राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

पं. सुखलाल संघवीः तत्त्वार्थ सूत्र (व्या.), पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी

बलदेव उपाध्यायः भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वाराणसी

भीमसेन शास्त्री (व्या.)ः लघुसिद्धान्तकौमुदी

कपिलदेव द्विवेदी : प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी

भोलाशंकर व्यासः संस्कृत कवि दर्शन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

बलदेव उपाध्यायः संस्कृत आलोचना

एम. एन. व्यास तथा चन्द्रशेखर पाण्डेयः संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, साहित्य निकेतन, कानपुर

ठाकुरदत्त जोशीः संस्कृत साहित्य में लक्षणा का उद्भव तथा विकास

ग्रुप 'बी' : वैदिक वाङ्मय

पञ्चम प्रश्नपत्र

संहिता–साहित्य

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा**, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – ऋग्वेद शाकल–संहिता

ऋ (1) 16, 25, 38 ,143; (2) 39, 40 42, 43, (3) 57, 59;(4) 9, 10, (5) 83, 84; (6) 53; (7) 83, 103; (8) 48; (9) 1; (10) 71,84

इकाई 2 – शुक्ल यजुर्वेद

मा. शु. य–31–1–22; 31–1–16; 34–1–6

इकाई 3 – अथर्ववेद

सौ 1.29; 38; 3.17; 3.30; 6.64; 19.51;

इकाई 4 – शुक्ल यजुर्वेद के निर्धारित भाग से पदपाठ

इकाई 5 – अथर्ववेद के निर्धारित भाग से पदपाठ

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

न्यू वैदिक सेलेक्शन (भाग दो)

ऋग्वेद : (सायण भाष्य) (दयानन्द भाष्य)

यजुर्वेद तथा अथर्ववेद (सा. भा.)

सूर्यकान्त, मैक्डॉनलः वैदिक देवशास्त्र
उपध्याय बलदेव : वैदिक साहित्य और संस्कृति
अरविन्द : वेदरहस्य
सातवलेकर : अथर्व का सुबोधभाष्य

षष्ठ प्रश्नपत्र

ब्राह्मण, आरण्यक एवम् उपनिषद्

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – ब्राह्मणसाहित्य
शतपथब्राह्मण का 1, अ. 2, ब्रा. 5
ऐतरेय ब्राह्मण–प्रथम पञ्चिका, प्रथमाध्याय

इकाई 2 – आरण्यक साहित्य :
ऐतरेयारण्यक : द्वितीय प्रपाठक (प्राणविद्या)
तैत्तिरीयारण्यक : द्वितीय प्रपाठक
(स्वाध्याय, पंच महायज्ञ)

इकाई 3 – बृहदारण्यकोपनिषद् 2,4,1–44

इकाई 4 – श्वेताश्वतरोपनिषद्–3, 1–21

इकाई 5 – माण्डूक्योपनिषद् एवं केनोपनिषद् (सम्पूर्ण)

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

शास्त्र, मोतीलाल : शतपथ ब्राह्मण
कीथ, ए.बी. (सम्पादित) : ऐतरेय ब्राह्मण
सत्यव्रत सामश्रमी (सम्पा.) : ऐतरेय ब्राह्मण, उपनिषद् संग्रे, गीता प्रेस, गोरखपुर
शर्मा शिवशंकर : वृहदारण्यकोपनिषद् भाष्यम् साहितय संस्थान, रोहतक, हरियाणा
सातवलेकर दामोदरश्रीपाद : केनोपनिषद् माण्डूक्योपनिषद्, स्वाध्यायमण्डल, पारडी
Singh, S.P. : Symbolism of Upnisads

सप्तम प्रश्नपत्र

निरुक्त, व्याकरण एवं वैदिक देवशास्त्र

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – निरुक्त (अष्टम से द्वादश अध्याय पर्यन्त)
इकाई 2 – बृहद्देवता (प्रथम तथा द्वितीय अध्याय के 25 वर्ग)
इकाई 3 – ऋक्प्रातिशाख्य (प्रथम, द्वितीय पटल)
इकाई 4 – वैदिक स्वरांकन
इकाई 5 – प्रमुख वैदिक द्वन्द्व

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

राजवाडे : निरुक्त

सामश्रमी सत्यव्रत : निरुक्तालोचनम्

मैक्डॉनल : बृहद्देवता

कीथ, ए.बी. : रिलीजन एण्ड फिलासफी ऑफ वेद एण्ड उपनिषद् (हिन्दी अनुवाद)

शास्त्री, मंगलदेव : ऋक्प्रातिशाख्य

रामगोपाल : वैदिक व्याकरण

मैक्डॉनल : द वैदिक ग्रामर

गोविन्दलाल, बन्शीलाल एवं शास्त्री सद्राम : वैदिक व्याकरण भास्कर

अष्टम प्रश्नपत्र

प्रकरण ग्रन्थ, वेद व्याख्या पद्धति एवं वैदिक भाष्यकार

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – प्रकरण ग्रन्थ – महर्षिकुलवैभवम्—भाग प्रथम (पं. प्रद्युम्न शर्मा सम्पादित)

इकाई 2 – प्रकरण ग्रन्थ – महर्षिकुलवैभवम्—भाग द्वितीय (पं. प्रद्युम्न शर्मा सम्पादित)

इकाई 3 – प्राचीन भाष्यकार : वेंकटमाधव, सायण

इकाई 4 – पाश्चात्य व्याख्याकार – मैक्समूलर, रॉथ

इकाई 5 – आधुनिक व्याख्याकार – म. दयानन्द सरस्वती, श्री अरविन्द, पं. मधुसूदन ओझा

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – **35 अंक**

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – **45 अंक**

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

सायण : ऋग्वेद भाष्य
सरस्वती, दयानन्द : ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका
शास्त्री, मोतीलाल : सांस्कृतिक पंच व्याख्यान
अरविन्द : वेद रहस्य
नन्दकिशोर तथा सुभाष : संस्कृतनिबन्धपारिजातम्
शुक्ल, रमेशचन्द्र : प्रबन्धरत्नाकर
फतहसिंह : ढाई अक्षर वेद के
उपाध्याय, रामजी : संस्कृत निबन्धावलि
भार्गव, दयानन्द : वेद विज्ञान वीथिका, वैदिक अध्ययन केन्द्र, जोधपुर
Ghate : Lectures on Rigveda

एम. ए. उत्तरार्ध संस्कृत परीक्षा 2015

नवम् प्रश्न–पत्र (सभी वर्गों के लिए अनिवार्य)

प्रस्थानद्वय, काव्यशास्त्र, जैन दर्शन तथा अनुवाद

नोटः– प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – केनोपनिषद्

इकाई 2 – अभिनव काव्यालंकार सूत्रम् प्रथमाधिकरण (अध्याय1,2,3) – आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी

इकाई 3 – श्रीमद्भगवद् गीता (चतुर्थ अध्याय)

इकाई 4 – वृहद् द्रव्य संग्रह (प्रथम अधिकार) – नेमीचन्द सिद्धान्त चक्रवर्ती

इकाई 5 – हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें –

बलदेव उपाध्याय : वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा मन्दिर, वाराणसी

सूर्यकान्त शास्त्री : वैदिक देवशास्त्र

दयानन्द भार्गव : वैदिक विज्ञान, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

अवस्थी, नरेन्द्र : नूपुर ध्वनि (वेद, उपनिषद् एवं गीता का दार्शनिक विवेचन), राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

पं. सुखलाल संघवीः तत्त्वार्थ सूत्र (व्या.), पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी

बलदेव उपाध्यायः भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वाराणसी

भीमसेन शास्त्री (व्या.)ः लघुसिद्धान्तकौमुदी

कपिलदेव द्विवेदी : प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी

भोलाशंकर व्यासः संस्कृत कवि दर्शन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
बलदेव उपाध्यायः संस्कृत आलोचना
एम. एन. व्यास तथा चन्द्रशेखर पाण्डेयः संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, साहित्य निकेतन, कानपुर
ठाकुरदत्त जोशीः संस्कृत साहित्य में लक्षणा का उद्भव तथा विकास

ग्रुप 'सी' : दर्शन

पञ्चम प्रश्नपत्र

न्याय–वैशेषिक

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – न्यायसूत्र (वात्स्यायनभाष्य सहित) प्रथम अध्याय : प्रथम आह्निक

इकाई 2 – न्यायसूत्र (वात्स्यायनभाष्य सहित) प्रथम अध्याय : द्वितीय आह्निक

इकाई 3 – भाषा परिच्छेद (न्यायसिद्धान्तमुक्तावली सहित) प्रत्यक्ष खण्ड : विश्वनाथ भट्टाचार्य

इकाई 4 – भाषा परिच्छेद (न्यायसिद्धान्तमुक्तावली सहित) अनुमान खण्ड : विश्वनाथ भट्टाचार्य

इकाई 5 – प्रशस्तपादभाष्य (प्रारम्भ से द्रव्य निरूपण तक, सामान्य से समवाय तक)

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

अनन्त ठाकुर : (सं.) न्यायदर्शनम् (प्रथमाध्यायात्मक, प्रथम भाग), मिथिला विद्यापीठ, दरभंगा (बिहार)

फणिभूषण भट्टाचार्य : न्यायदर्शन का परिचय

सूर्यनारायण शुक्ल : न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (हिन्दी व्याख्या), चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री : (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

दुर्गाशंकर झा (सं.) : प्रशस्तपादभाष्य (न्यायकन्दली सहित), सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

श्रीनारायण मिश्र : वैशेषिक दर्शन : एक अध्ययन

खड्गनाथ मिश्र : शाब्दबोधदिवादपंचकप्रकाश (प्रथम व द्वितीय भाग), केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर

S.N. Das Gupta : History of Indian Philosophy (relevant Portion only)
Gopinath kaviraj : Gleanings from the History and Bibliography of Nyaya-Vaiseshik Literature
D.D. Bhattacharya : History of navya Nyaya in Mithila
Sanghavi, Sukhlal : Acvanced Studies in Indian Logic and Methaphysics
H-ui : Vaisesika Philosophy
G. Bhattacharya : Studies in Nyaya Vaisesika Theism
B.K. Matilal : Navya Nyaya Doctrine of Negation
S. Bhaduri : Studies in Nyaya Vaisesika Metaphysics

अवस्थी, नरेन्द्र : वैशैषिक तथा अन्य भारतीय दर्शन (न्यायलीलावती के आलोक में) स्पिक एण्ड स्पैन पब्लिशर्स, नई दिल्ली

षष्ठ प्रश्नपत्र

सांख्य–योग–बौद्ध–जैन

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – सांख्यतत्त्वकौमुदी (30वीं कारिकापर्यन्त)–वाचस्पति मिश्र

इकाई 2 – योगसूत्र (व्यासभाष्य सहित) समाधिपाद : पतंजलि

इकाई 3 – योगसूत्र (व्यासभाष्य सहित) साधनपद और कैवल्यपाद

इकाई 4 – सर्वदर्शन संग्रह (बौद्ध दर्शन) : माधवाचार्य

इकाई 5 – सर्वदर्शनसंग्रह (जैन दर्शन) : माधवाचार्य

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।

2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।

2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।

3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

आद्याप्रसाद मिश्र : सांख्यतत्त्वकौमुदी (हिन्दी व्याख्या)

अमलधारी सिंह : सांख्यतत्त्वप्रदीप, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी

उदयवीर शास्त्री : सांख्य दर्शन का इतिहास

ब्रह्मलीन मुनि (व्या.) : योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित), चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी

उमाशंकर शर्मा 'ऋषि': सर्वदर्शन संग्रह (हिन्दी व्याख्या)

J.R. Ballentyne : Yogasutra Patanjali

J.H. Woods : The Yoga System of Patanjali

S. Radhakrishan : History of Indian Philosophy, Vol. I

सप्तम प्रश्नपत्र

वेदान्त तथा मीमांसा

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – ब्रह्मसूत्र (शांकरभाष्य सहित) : प्रथम अध्याय, प्रथम पाद, चतुःसूत्री

इकाई 2 – ब्रह्मसूत्र (शांकरभाष्य सहित) प्रथम अध्याय, प्रथम पाद (पंचम सूत्र से अन्त तक)

इकाई 3 – अर्थ संग्रह (मन्त्र तथा नामधेय)

इकाई 4 – अर्थ संग्रह (निषेध तथा अर्थवाद)

इकाई 5 – जैमिनि सूत्र (शाबर भाष्य सहित) : तर्कपाद मात्र

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।

3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।

4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।

2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।

2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।

3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

सत्यानन्द सरस्वती : ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य (हिन्दी व्याख्या), गोविन्दमल वाराणसी

युधिष्ठिर मीमांसक : शाबरभाष्य (व्याख्या)

दयाशंकर शास्त्री : अर्थसंग्रह (व्या.), साहित्य भण्डार, मेरठ

सत्यप्रकाश शर्मा : अर्थसंग्रह (व्या.) साहित्य भण्डार, मेरठ

उमाशंकर 'ऋषि' : मीमांसादर्शनम् (तर्कपादः) – हिन्दी व्याख्या

मण्डन मिश्र : मीमांसा दर्शन

राममूर्ति शर्मा : शंकराचार्य

अनन्तकृष्ण शास्त्री : मीमांसा शास्त्रसार

V.M. Apte. (English Tr.): ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, Bombay, 1960

S.K. Raja: ekues;ksn; Madras, 1933

G.N. Jha : 'kkcjHkk";] (Vol. I) Baroda, 1973

M.Rangacharya & M.B.V. Iyengar : The Vedant Sutras with the Sri Bhasya of Ramanuja (Tr. by) Nungamba Kama, 1965

G.P. Bhatta ; Epistemology of the Bhatta School of Purva Mimansa

P.B. Satha : The Discussion on the Purva Mimansa System

अष्टम प्रश्नपत्र

प्रकरण ग्रन्थ तथा दर्शनशास्त्र का इतिहास

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा**, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – विवेकचूडामणि (शंकराचार्य विरचित)
इकाई 2 – प्रकरण ग्रन्थ : व्योमवाद : पं. मधुसूदन ओझा
इकाई 3 – सर्वदर्शन संग्रह (प्रत्यभिज्ञा दर्शन) : माधवाचार्य
इकाई 4 – भारतीय दर्शन के सिद्धान्त
इकाई 5 – प्रमुख भारतीय दार्शनिक एवं उनकी कृतियां

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

अनन्त शर्मा : व्योमवाद, पं. मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ, संस्कृत विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' : सर्वदर्शनसंग्रह : (हिन्दी व्याख्या)
उमेश मिश्र : भारतीय दर्शन
बलदेव उपाध्याय : भारतीय दर्शन
S.Radhakrishnan : History of Indian Philosophy
C.D. Sharma : A Critical survey of Indian Philosophy

एम. ए. उत्तरार्ध संस्कृत परीक्षा 2015

नवम् प्रश्न–पत्र (सभी वर्गों के लिए अनिवार्य)

प्रस्थानद्वय, काव्यशास्त्र, जैन दर्शन तथा अनुवाद

नोटः– प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – केनोपनिषद्

इकाई 2 – अभिनव काव्यालंकार सूत्रम् प्रथमाधिकरण (अध्याय1,2,3) – आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी

इकाई 3 – श्रीमद्भगवद् गीता (चतुर्थ अध्याय)

इकाई 4 – वृहद् द्रव्य संग्रह (प्रथम अधिकार) – नेमीचन्द सिद्धान्त चक्रवर्ती

इकाई 5 – हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें –

बलदेव उपाध्याय : वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा मन्दिर, वाराणसी
सूर्यकान्त शास्त्री : वैदिक देवशास्त्र
दयानन्द भार्गव : वैदिक विज्ञान, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
अवस्थी, नरेन्द्र : नूपुर ध्वनि (वेद, उपनिषद् एवं गीता का दार्शनिक विवेचन), राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
पं. सुखलाल संघवीः तत्त्वार्थ सूत्र (व्या.), पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी
बलदेव उपाध्यायः भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वाराणसी
भीमसेन शास्त्री (व्या.)ः लघुसिद्धान्तकौमुदी
कपिलदेव द्विवेदी : प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी
भोलाशंकर व्यासः संस्कृत कवि दर्शन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
बलदेव उपाध्यायः संस्कृत आलोचना
एम. एन. व्यास तथा चन्द्रशेखर पाण्डेयः संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, साहित्य निकेतन, कानपुर
ठाकुरदत्त जोशीः संस्कृत साहित्य में लक्षणा का उद्भव तथा विकास

ग्रुप 'डी' : व्याकरण शास्त्र

पञ्चम प्रश्नपत्र

वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा प्रकरण एवं स्त्रीप्रत्यय प्रकरण)

इकाई 2 – वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (आत्मनेपद एवं परस्मैपद प्रकरण)

इकाई 3 – वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी(भ्वादिगण) पङ्क्त्यंश को छोड़कर

इकाई 4 – वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (अदादि, जुहोत्यादि, दिवादि एवं स्वादिगण) पङ्क्यंश को छोड़कर

इकाई 5 – वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (तुदादि, रुधादि, तनादि, क्र्यादि एवं चुरादिगण) पङ्क्यंश को छोड़कर

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

भट्टोजिदीक्षित : वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (सम्पूर्ण)

गोपाल दत्त पाण्डेय : वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (हिन्दी व्याख्या)

बालकृष्ण पंचोली : वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (हिन्दी व्याख्या)

चारुदेव शास्त्री : व्याकरण चन्द्रोदय

Whitney : Sanskrit Grammar

षष्ठ प्रश्नपत्र

वाक्यपदीय तथा वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) : भर्तृहरि

इकाई 2 – वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास)

इकाई 3 – वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (बहुव्रीहि से सर्वसमासशेष प्रकरणपर्यन्त)

इकाई 4 – वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदी (कृत्यप्रक्रिया)

इकाई 5 – भाषापरिच्छेद (न्यायसिद्धान्तमुक्तावली सहित) – शब्दखण्ड : विश्वनाथ भट्टाचार्य

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

बालकृष्ण पंचोली : वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (हिन्दी व्याख्या), चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

रामसुरेश त्रिपाठी : संस्कृत व्याकरण दर्शन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

दयाशंकर शास्त्री : न्याय सिद्धान्त मुक्तावली (शब्द खण्ड), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

रामचन्द्र द्विवेदी (अनु.) : भर्तृहरि, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

रघुनाथ शर्मा : वाक्यपदीयम् (अम्बाकर्त्री व्याख्या)

सूर्यनारायण शुक्ल : वाक्यपदीयम् (भावप्रकाश व्याख्या)
K.A.S. Iyer (Eng. Tr.): The Vakyapadiya of Bhartrihari with Vritti, Chapter I, Poona, 1965
Gauri Nath Shastri : Philosophy of Word and Meaning

सप्तम प्रश्नपत्र
व्याकरणमहाभाष्य तथा वैयाकरण भूषणसार

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – व्याकरणमहाभाष्य (प्रथम अध्याय प्रथम पाद का प्रथम आह्निक)

इकाई 2 – व्याकरणमहाभाष्य (प्रथम अध्याय प्रथम पाद का द्वितीय आह्निक)

इकाई 3 – व्याकरणमहाभाष्य (प्रथम अध्याय प्रथम पाद का तृतीय एवं चतुर्थ आह्निक)

इकाई 4 – वैयाकरण भूषणसार (धात्वर्थ प्रकरण) कारिका संख्या 1 से 10

इकाई 5 – वैयाकरण भूषणसार (धात्वर्थ प्रकरण) कारिका 11 से 21 पर्यन्त

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

चारुदेव शास्त्री : व्याकरण– भाष्य (नवाह्निक)

भीमसेन शास्त्री (व्या.) : वैयाकरण – भूषणसार

खड्गनाथ मिश्र : शाब्दबोधादिवादपंचकप्रकाश (प्रथम व द्वितीय भाग), केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जयपुर

S.K. Belvelkar : System of Sanskrit Grammar

अष्टम प्रश्नपत्र

प्रकरणग्रन्थ तथा व्याकरणशास्त्र का इतिहास

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम् (पं. अम्बिकादत्त व्यास रचित)

इकाई 2 – कारकसम्बन्धोद्द्योत (रभसनन्दि)

इकाई 3 – पाणिनीय शिक्षा

इकाई 4 – विभिन्न संस्कृत व्याकरण एवं पाणिनीय व्याकरण शास्त्र के सिद्धान्त शब्दार्थसम्बन्ध, स्फोटवाद, शब्दब्रह्म, धात्वर्थनिर्णय, तिङर्थनिर्णय लकारार्थनिर्णय, व्याकरणशास्त्रानुसार वाक् का विवेचन, कातंत्र व्याकरण, चान्द्र व्याकरण, शाकटायन व्याकरण, जैनेन्द्र व्याकरण, भोज व्याकरण, हैम व्याकरण, सारस्वत व्याकरण, मुग्धबोध – व्याकरण, आचार्य पाणिनि से पूर्ववर्ती वैयाकरण परम्परा

इकाई 5 – प्रमुख वैयाकरण

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम्, पं. अम्बिकादत्तव्यास रचित, व्यास पुस्तकालय, मानमन्दिर, वाराणसी
रभसनन्दि : कारकसम्बन्धोद्द्योत, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
रामशंकर भट्टाचार्य : पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन, इण्डोलोजिकल बुक हाऊस, वाराणसी
युधिष्ठिर मीमांसक : व्याकरण शास्त्र का इतिहास
N.M. Ghosh (अनु.) : पाणिनीय शिक्षा, क्मसीप
The Hegue : Panini : A Survey of Research, Mouton Cardona George, 1966

एम. ए. उत्तरार्ध संस्कृत परीक्षा 2015

नवम् प्रश्न–पत्र (सभी वर्गों के लिए अनिवार्य)

प्रस्थानद्वय, काव्यशास्त्र, जैन दर्शन तथा अनुवाद

नोटः– प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – केनोपनिषद्

इकाई 2 – अभिनव काव्यालंकार सूत्रम् प्रथमाधिकरण (अध्याय1,2,3) – आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी

इकाई 3 – श्रीमद्भगवद् गीता (चतुर्थ अध्याय)

इकाई 4 – वृहद् द्रव्य संग्रह (प्रथम अधिकार) – नेमीचन्द सिद्धान्त चक्रवर्ती

इकाई 5 – हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।

3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।

4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।

2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।

2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।

3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें –

बलदेव उपाध्याय : वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा मन्दिर, वाराणसी
सूर्यकान्त शास्त्री : वैदिक देवशास्त्र
दयानन्द भार्गव : वैदिक विज्ञान, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
अवस्थी, नरेन्द्र : नूपुर ध्वनि (वेद, उपनिषद् एवं गीता का दार्शनिक विवेचन), राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
पं. सुखलाल संघवीः तत्त्वार्थ सूत्र (व्या.), पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी
बलदेव उपाध्यायः भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वाराणसी
भीमसेन शास्त्री (व्या.)ः लघुसिद्धान्तकौमुदी
कपिलदेव द्विवेदी : प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी
भोलाशंकर व्यासः संस्कृत कवि दर्शन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
बलदेव उपाध्यायः संस्कृत आलोचना
एम. एन. व्यास तथा चन्द्रशेखर पाण्डेयः संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, साहित्य निकेतन, कानपुर
ठाकुरदत्त जोशीः संस्कृत साहित्य में लक्षणा का उद्भव तथा विकास

ग्रुप 'ई' : प्राकृत तथा जैन–दर्शन

पंचम प्रश्नपत्र

जैन दर्शन

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – तत्त्वार्थसूत्र – विवेचक पं. सुखलाल संघवी (अध्याय 2 एवं 5)

इकाई 2 – तत्त्वार्थसूत्र – विवेचक पं. सुखलाल संघवी (अध्याय 6 एवं 7)

इकाई 3 – तत्त्वार्थसूत्र – विवेचक पं. सुखलाल संघवी (अध्याय 8 से 10)

इकाई 4 – स्याद्वादमंजरी (अन्ययोगव्यवच्छेद द्वात्रिंशिका के श्लोक 1 से 10 पर टीका)

इकाई 5 – स्याद्वादमंजरी (अन्ययोगव्यवच्छेद द्वात्रिंशिका के श्लोक 21 से 30 पर टीका)

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

उपाध्याय केवल मुनि : तत्त्वार्थ सूत्र, जैन दिवाकर दिव्य ज्योति कार्यालय, ब्यावर

सिद्धान्ताचार्य पं. फूलचन्द्र शास्त्री : तत्त्वार्थ सूत्र, श्री गणेशवर्णी शोध संस्थान, नरिया, वाराणसी

मघराज मुणोत (अनु.) : तत्त्वार्थसूत्र, श्री रत्नप्रभाकर ज्ञान पुष्पमाला, फलोदी

सुखलाल संघवी (व्या.) : तत्त्वार्थसूत्र, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी

उमास्वास्ति : तत्त्वार्थसूत्र (भाष्य सहित), परमश्रुत प्रभावक मण्डल, अगास

जगदीशचन्द्र जैन (व्या.) : स्याद्वादमंजरी (मल्लिषेण), परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद् राजचन्द्र आश्रम, अगास

A.B. Dhruva : Syadvadamanjari

महेन्द्रकुमार जैन : जैन–दर्शन, श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला, वाराणसी

षष्ठ प्रश्नपत्र

आगम तथा आगमेत्तर साहित्य

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – आचारांगसूत्र– प्रथमश्रुत स्कन्ध (अध्ययन 1 से 2)

इकाई 2 – आचारांगसूत्र– प्रथमश्रुत स्कन्ध (अध्ययन 3,4, एवं 9)

इकाई 3 – प्रवचनसार – ज्ञेयतत्त्वाधिकार (1 से 52 गाथाएं)

इकाई 4 – प्रवचनसार – ज्ञेयतत्त्वाधिकार (53 से 108 गाथाएं)

इकाई 5 – समयसार (1 से 68 गाथाएं) (जयसेनकृत टीका सहित)

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

आचारांग सूत्र : आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर

महाप्रज्ञ : आचारांगभाष्यम्, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

शीलांकाचार्य (टीका सहित) : आचारांग सूत्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

कमलचन्द सोगानी (सं.) : आचारांग चयनिका

प्रवचनसार : श्रीमद् राजचन्द्र आश्रम, अगास

समयसार : श्रीमद् राजचन्द्र आश्रम, अगास

डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल : समयसार–अनुशीलन, टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर

Jacobi Hermana : Jain Sutras, Part I

K.K. Dixit : Early Jainism

H.S. Bhattacharya : Reals in the Jain Metaphysics

सप्तम प्रश्नपत्र

जैन न्याय और प्राकृत व्याकरण

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – न्यायदीपिका – धर्मभूषण (प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश)

इकाई 2 – न्यायदीपिका – धर्मभूषण (तृतीय प्रकाश)

इकाई 3 – प्रमाणमीमांसा (स्वोपज्ञवृत्ति सहित) – हेमचन्द्र, (प्रथम अध्याय का प्रथम आह्निक मात्र)

इकाई 4 – प्राकृत प्रकाश – वररुचि (प्रथम से सप्तम परिच्छेद)

इकाई 5 – प्राकृत प्रकाश – वररुचि (अष्टम से द्वादश परिच्छेद)

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

पं. दरबारीलाल कोठिया (व्या.) : न्यायदीपिका (धर्मभूषण), वीर सेवा मन्दिर, 21, दरियागंज, नई दिल्ली

पं. शोभाचन्द्र भारिल्ल (अनु.) : प्रमाण–मीमांसा, श्री तिलोकरत्न जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, अहमदनगर

सुखलाल संघवी (व्या.) : प्रमाण–मीमांसा

प्राकृत प्रकाश (मनोरमा व्याख्या सहित), चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

धर्मचन्द जैन : बौद्ध प्रमाणमीमांसा की जैनदृष्टि से समीक्षा, पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी

प्राकृत प्रकाश (दीप्ति हिन्दी व्याख्या), साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ

पिशेल : प्राकृत–व्याकरण

पी.एल.वैद्य : हेमचन्द्र : प्राकृत व्याकरण

हरिवल्लभ चुन्नीलाल भायाणी : प्राकृत व्याकरणकारो

जार्ज ग्रियर्सन : प्राकृत धात्वादेश

कैलाशचन्द्र शास्त्री : जैन न्याय

सेठ हरगोविन्ददास त्रिविक्रमचन्द : पाइअ सद्दमहण्णवो

बेचरदास कोठिया : जैन–दर्शन में अनुमान विचार

A.C. Woolner : An Introduction to Prakrita

A.M. Ghatage : An Introduction to Ardhamagadhi

Satkari Mookerjee : The Jain Philosophy of Non-absolutism, Motilal Banarasidass, Delhi

अष्टम प्रश्नपत्र

प्रकरण ग्रन्थ तथा जैन आगम एवं दर्शन का इतिहास

नोट : **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 – जैनदर्शनसार – पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ (प्रथम अध्याय)

इकाई 2 – पुरुषार्थसिद्ध्युपाय – अमृतचन्द्र

इकाई 3 – उत्तराध्ययनसूत्र (24,28,एवं 32वां अध्ययन)

इकाई 4 – जैनदर्शन के सिद्धान्त

जीव, अजीव, आस्रव, बन्ध, संवर, निर्जरा, मोक्ष, नय, प्रमाण, अनेकान्तवाद, द्रव्य, गुण, पर्याय, रत्नत्रय, अपरिग्रह, अहिंसा, त्रिगुप्ति, पंच समिति, स्याद्वाद (भारतीय चिन्तन की अपेक्षा से भी), जैन दर्शन की प्रासंगिकता

इकाई 5 – जैनागम और जैनाचार्य

आचारांग, सूत्रकृतांग, व्याख्याप्रज्ञप्ति, ज्ञाताधर्मकथा, औपपातिक सूत्र, राजप्रश्नीय, मूलसूत्र, छेदसूत्र, हेमचन्द्राचार्य, सिद्धसेन, समन्तभद्र, कुन्दकुन्द, उमास्वाति, वररुचि, अकलंक, पूज्यपाद, प्रभाचन्द्र, यशोविजय

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें

पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ : जैन–दर्शन सार, जयपुर

रामजी उपाध्याय : संस्कृत निबन्धावली

पुरुषार्थ सिद्ध्युपाय (अमृतचन्द्र) : टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर

पुरुषार्थ सिद्ध्युपाय : श्रीमद् राजचन्द्र आश्रम, अगास

उत्तराध्ययन सूत्र : सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल, जयपुर

उत्तराध्ययन सूत्र : नेमिचन्द्र टीका सहित
पं. सुखलाल संघवी : दर्शन और चिन्तन, गुजरात विद्यासभा, अहमदाबाद
पं. महेन्द्रकुमार जैन : जैन–दर्शन न्यायाचार्य श्री गणेशवर्णी दि. जैन–संस्थान, वाराणसी
आगम परिचय : आगम प्रकाशन समिति, ब्यावर
आचार्य देवेन्द्र मुनि : जैन आगम साहित्य : मनन और मीमांसा, तारक गुरू जैन ग्रन्थालय, उदयपुर
नवतत्त्व : तिलोक रत्न जैन, धार्मिक परीक्षा बोर्ड, अहमदनगर
जगदीशचन्द्र जैन : प्राकृत साहित्य का इतिहास
नेमीचन्द्र शास्त्री : प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
कैलाशचन्द्र शास्त्री : जैन–साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि
नाथूराम प्रेमी : जैन–साहित्य का इतिहास
अगरचन्द नाहटा : वीरगाथाकाल का जैन–साहित्य
जैन–साहित्य का वृहद् इतिहास (1–7 भाग), पार्श्वनाथ–विद्याश्रम शोध संस्थान, वाराणसी

एम. ए. उत्तरार्ध संस्कृत परीक्षा 2015

नवम् प्रश्न–पत्र (सभी वर्गों के लिए अनिवार्य)

प्रस्थानद्वय, काव्यशास्त्र, जैन दर्शन तथा अनुवाद

नोटः– प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि तथा 100 अंकों का होगा। प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा, किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

पाठ्यक्रम –

इकाई 1 – केनोपनिषद्

इकाई 2 – अभिनव काव्यालंकार सूत्रम् प्रथमाधिकरण (अध्याय1,2,3) – आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी

इकाई 3 – श्रीमद्भगवद् गीता (चतुर्थ अध्याय)

इकाई 4 – वृहद् द्रव्य संग्रह (प्रथम अधिकार) – नेमीचन्द सिद्धान्त चक्रवर्ती

इकाई 5 – हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।

3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।

4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।

2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।

2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।

3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सहायक पुस्तकें –

बलदेव उपाध्याय : वैदिक साहित्य और संस्कृति, शारदा मन्दिर, वाराणसी
सूर्यकान्त शास्त्री : वैदिक देवशास्त्र
दयानन्द भार्गव : वैदिक विज्ञान, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
अवस्थी, नरेन्द्र : नूपुर ध्वनि (वेद, उपनिषद् एवं गीता का दार्शनिक विवेचन), राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
पं. सुखलाल संघवीः तत्त्वार्थ सूत्र (व्या.), पार्श्वनाथ विद्यापीठ, वाराणसी
बलदेव उपाध्यायः भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वाराणसी
भीमसेन शास्त्री (व्या.)ः लघुसिद्धान्तकौमुदी
कपिलदेव द्विवेदी : प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी
भोलाशंकर व्यासः संस्कृत कवि दर्शन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
बलदेव उपाध्यायः संस्कृत आलोचना
एम. एन. व्यास तथा चन्द्रशेखर पाण्डेयः संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, साहित्य निकेतन, कानपुर
ठाकुरदत्त जोशीः संस्कृत साहित्य में लक्षणा का उद्भव तथा विकास